प्राप्तकर्त्ता का पता न मिले तो इस पर वापिस भेजें–
अलख दृष्टि (त्रैमासिक शोध पत्रिका)
डो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी 'रत्नेश' (संपादक)
जैन विश्वभारती परिसर, लाडनूं - 341306, नागौर (राज.)
मो. नं. 9414870428

To,
श्रीमान्

Kamini Pareek

LLB & LLM

Supreme Court Advocate

Daughter of

Sh. Suresh Kumar Pareek

Development Officer, (LIC)

Branch Office Deedwana (Raj.)

Scanned by CamScanner

Scanned by CamScanner

1. श्री मक्खनलाल गोयल, अध्यक्ष अणुव्रत समिति, सिरसा
2. श्री जवाहरलाल चोरड़िया, चार्टर्ड एकाउण्टेंट, कोलकाता
3. श्री पुरुषोत्तम जैन, समाजसेवी, मण्डी गोविन्दगढ़
4. श्री ध्रुवकुमार कविया, सी.डब्ल्यू.सी., भीलवाड़ा
5. डॉ. सोहनराज तातेड़, पूर्व कुलपति, सिंघानिया विश्वविद्यालय, जोधपुर
6. श्री हार्दिक गजेन्द्र भाई जोशी, शिक्षक, पालनपुर
7. श्री विजयराज सुराना, उद्योगपति, नई दिल्ली
8. श्री एन.सी. जैन, इंजीनियर, मुम्बई
9. श्री युधिष्ठिर श्रीमाल, शिक्षक, सांचौर
10. श्री चेतन पारीक, शिक्षक, जयपुर
11. श्री प्रदीप पिपाड़ा, कृषि अधिकारी, झाबुआ
12. श्री ललित कुमार जैन, उद्योगपति, चेन्नई
13. श्री अश्विनी जैन, उद्योगपति, चण्डीगढ़
14. श्री महेन्द्रकरण सेठिया, व्यवसायी, चेन्नई
15. श्री बी.डी. सिंह, उद्योगपति, मुम्बई
16. श्री हरेश राजगुरु, शिक्षक, भावनगर
17. श्री जे.सी. भाटिया, समाजसेवी, फरीदाबाद
18. श्री धनपत कुसुम लूनिया, समाजसेवी, गाजियाबाद
19. श्री मोहनलाल प्रेमलता चोरड़िया, समाजसेवी, कोलकाता
20. श्री राजवीर सिहाग, शिक्षक, जयपुर
21. श्री सम्पत शामसुखा, उद्योगपति, भीलवाड़ा
22. श्री कन्हैयालाल एच. पटेल, उद्योगपति, गोधरा
23. श्री धनपत-शोभा दुगड़, उद्योगपति, लाडनूँ/कोलकाता
24. श्री विजयसिंह बरमेचा, समाजसेवी, लाडनूँ
25. श्री विजयचन्द दुगड़, व्यवसायी, पीलीबंगा
26. श्री सागरमल नाहटा, समाजसेवी, कोलकाता
27. श्री घेवरचन्द मेहता, समाजसेवी, वालोतरा
28. श्री हंसमुखभाई मेहता, समाजसेवी, मुम्बई
29. श्री प्राची श्रीपाल शाह, व्यवसायी, अहमदाबाद
30. श्री निर्मलभाई रांका, व्यवसायी, कोयम्बटूर
31. श्री धर्मचन्द लूंकड़, समाजसेवी, चेन्नई
32. श्री वाघजी भाई वोरा, व्यवसायी, अहमदाबाद
33. श्री करणसिंह नाहटा, उद्योगपति, नई दिल्ली
34. श्री कमल जैन, व्यवसायी, चित्तौड़गढ़
35. श्री बाबूलाल गोलछा, व्यवसायी, नई दिल्ली
36. श्री ताराचन्द सैनी, व्यवसायी, लाडनूं
37. श्री पृथ्वीराज टीलचन्द कावड़ी, व्यवसायी, मुम्बई
38. श्री गौतम जैन, शिक्षासेवी, अजमेर
39. श्री राजकुमार कान्ता पारीक, समाजसेवी, सरदारशहर
40. श्री अमरचन्द लुंकड़, व्यवसायी, चेन्नई
41. श्री शांतिलाल गोलछा, व्यवसायी, सिरसा/जयपुर
42. श्री सलिल लोढ़ा, चार्टर्ड एकाउण्टेट, मुम्बई
43. श्री डालचन्द कोठारी, व्यवसायी, मुम्बई
44. श्री श्रीचन्द सुनवाल, व्यवसायी, डीडवाना
45. श्री सुनील सेठिया, व्यवसायी, कोलकाता
46. श्रीमती प्रवीण भाटिया, व्यवसायी, फरीदाबाद
47. श्री रघुवीर सिंह, व्यवसायी, लाडनूं
48. डॉ. निधि सुधीर कुमार श्रीवास्तव, व्याख्याता, बांसवाड़ा
49. श्री सहीराम दारा, व्यवसायी, लाडनूं
50. श्री सोहनराज चौपड़ा, चार्टर्ड एकाउण्टेन्ट, अहमदाबाद
51. श्री ओमप्रकाश गुर्जर, व्यवसायी, लाडनूं
52. श्री भूपत चोपड़ा, व्यवसायी, पचपदरासिटी
53. श्री दुर्गालाल पारीक, समाजसेवी, सीकर
54. श्री उम्मेद चारण, शिक्षक, लाडनूं
55. श्री सुरेश पारीक, विकास अधिकारी, लाडनूं
56. श्री नीरज चोपड़ा, व्यवसायी, दिल्ली
57. श्री कमल वैद, व्यवसायी, विशाखपट्टनम
58. अणुव्रत मुक्त विद्यालय, मुकुन्दगढ़
59. मीठालाल भोगर, व्यवसायी, सूरत
60. श्री विजय कुमार वैद, व्यवसायी, शिमला
61. श्री चेतन कुमार जैन, व्यवसायी, जयपुर
62. अनुराधा पुरोहित, समाजसेवी, जोधपुर
63. श्री सुपारसमल वैद, व्यवसायी, लाडनूं, दिल्ली
64. श्री तनसुख वैद, व्यवसायी, पटना
65. श्री विक्रान्त सैनी, आत्मस्थ, मुकुन्दगढ़
66. श्री जयप्रकाश तिवारी, शिक्षक, मुम्बई
67. श्री जितेन्द्र सारस्वत, एडवोकेट, नागौर
68. श्री अनिल सिंघी, व्यवसायी, लाडनूं
69. श्री नरेन्द्र सोलंकी, व्यवसायी, पूना
70. श्री प्रताप सिंघी, व्यवसायी, भुवनेश्वर
71. श्रीमती वंदना रजनीश कर्णावट, पाली
72. श्री मदनलाल तातेड़, चार्टर्ड एकाउण्टेट, मुम्बई
73. श्री प्रकाशचन्द नवीन कुमार वैद, व्यवसायी, लाडनूं-कोलकाता
74. श्री देवराज मूलचन्द नाहर, व्यवसायी, बंगलोर
75. श्री निर्मल कोठारी, व्यवसायी, सुजानगढ़-दिल्ली

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विषय	लेखक	पृष्ठ सं.
01.	व्याकरणमहाभाष्य में विवेचित औषधि एवं चिकित्सा पद्धति	प्रो. सत्यप्रकाश दुबे	06-10
02.	भगवद्गीता का भक्ति योग	प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी 'रत्नेश'	11-16
03.	वस्तु -शब्द मैत्री का कवि - भवानी प्रसाद मिश्र	डॉ. ममता खांडल	17-21
04.	भारत में सामाजिक न्याय : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य	डॉ. जुगल किशोर दाधीच	22-33
05.	अध्यात्म एवं विज्ञान से चरित्र निर्माण और वैश्विक शान्ति	प्रो. कंचन शर्मा	34-36
06.	स्त्रीत्व को आवाज देती आज की नारी	सुश्री दिव्या सिंह	37-40
07.	Nonviolence and Peace Education	Prof. Anil Dhar	41-46
08.	Distance Education and Women in India	Tilak Raj Sharma, Mohd. Alyas	47-57
09.	पुस्तक समीक्षा	डॉ. विकास शर्मा	58

Scanned by CamScanner

पुस्तक समीक्षा

पारस्परिक सौहार्द को स्थापित करती कृति

साम्प्रदायिक एवं जातीय तनाव

समीक्षक - डॉ विकास शर्मा
सहायक आचार्य, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, जैन विश्व भारती संस्थान, लाडनूं (राज.)

सामाजिक मुद्दों के ऊपर सरल भाषा में लिखने वाले डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ तथा प्रो. बच्छराज दूगड़ नाम पाठकों के लिए जाना पहचाना है। विभिन्न सामाजिक मुद्दों को लेकर वे कुछ न कुछ लिखते रहे हैं। उनके विचार इतने साफ और सुलझे हुए रहते है कि किसी को भी उन्हें समझना कठिन नहीं होता। रीगल प्रकाशन से प्रकाशित उनकी नई पुस्तक **साम्प्रदायिक एवं जातीय तनाव** कई परतों को खोलती हुई साम्प्रदायिकता जैसे संवेदनशील मुद्दों पर चोट करती नजर आती है। इस पुस्तक को लेखक ने कई खंडों में बांटकर साम्प्रदायिक और जातीय तनाव जैसे ज्वलंत मुद्दे को उठाकर उसके समाधान के लिए सुझाव दिए हैं। लेखक ने अपनी भूमिका में लिखा है कि साम्प्रदायिकता एवं जातीयता की समस्या पूरे भारत में विद्यमान है। साम्प्रदायिकता उस विचारधारा या मानसिकता का प्रतीक है जो समाज एवं उसके सदस्यों के बीच प्रतिशोध एवं हिंसा का जहर फैलाती है। यह पुस्तक साम्प्रदायिक एवं जातीयता की अवधारणा को स्पष्ट करने के साथ यह बताने का प्रयास करती है कि साम्प्रदायिकता एवं जातीयता की चुनौती का उचित समाधान खोजने में क्या सीमांए रही हैं।

लेखक ने अपनी पुस्तक के प्रथम अध्याय में साम्प्रदायिकता को लेकर ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला है। लेखक ने दूसरे अध्याय में साम्प्रदायिकता एवं जातीयता के स्वरूप पर प्रकाश डाला है। लेखक ने साम्प्रदायिकता का अर्थ स्पष्ट करते हुए लिखा है कि साम्प्रदायिकता मनुष्य के उस संकीर्ण और स्वार्थपरक विचारधारा का प्रतीक है, जिससे धार्मिक समुदायों में परस्पर द्वेष और घृणा की भावना पनपती है एवं हिंसा की आग भड़कती है। यह हमारी अस्वस्थ मानसिकता तथा द्वेषपूर्ण विचारों की द्योतक है। लेखक ने जातीय संघर्ष के कारणों का उल्लेख करते हुए लिखा है कि जातीय संघर्ष के विभिन्न कारण हैं- जैसे मनोवैज्ञानिक कारण-भय, मनोवृत्ति और पूर्वाग्रह, सामाजिक कारण अलगाव और भेदभाव, उत्तेजना और उदासीनता, आर्थिक कारण, आर्थिक विषमता, आर्थिक शोषण, राजनीतिक कारण-राजनैतिक पार्टियां और नेता आदि।

लेखक ने पुस्तक के तीसरे अध्याय में राजस्थान के नागौर जिले की भौगोलिक एवं ऐतिहासिक परिदृश्य पर दृष्टिपात किया है। नागौर जिले का इतिहास, पूर्व मुगलकालीन नागौर तथा साम्प्रदायिक स्थितियां, नागौर का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक वैभव एवं आर्थिक दशा पर यहाँ प्रकाश डाला है। चतुर्थ अध्याय में लेखक नागौर जिले में साम्प्रदायिक व जातीय तनाव के बारे में बताया है। नागौर जिला राजस्थान का केन्द्र बिन्दु है, जिसका असर इस पर देखा जा सकता है। अब तक यहां जितने भी दंगे हुए, वे सभी या तो पूर्व नियोजित थे या फिर राष्ट्रीय व राज्यव्यापी घटनाओं के कारण हुए। जिनसे जातीय व साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़ा। इस खंड में लेखक ने नागौर जिले के विभिन्न क्षेत्रों तथा शेखावाटी के कस्बों में हुए साम्प्रदायिक एवं जातीय संघर्षों के बारे में उल्लेखित किया है।

नागौर जिले के चितावा, लाडनूं, खाटू, डीडवाना हत्याकाण्ड, राव शेखा मूर्ति प्रकरण, वीरेन्द्र न्यागंली हत्याकांड के तथ्यों को पुलिस रिकॉर्ड के आधार पर विश्लेषित किया है।

पुस्तक के अध्याय 5 में लेखक ने साम्प्रदायिक दंगों का विश्लेषण करते हुए उल्लेख किया है कि साम्प्रदायिक दंगों का इतिहास गवाह है कि जब-जब दंगे हुए हैं तब-तब लोगों ने केवल निजी स्वार्थ को पूरा किया है। किसी भी समुदाय में मूलरूप से आपसी मतभेद नहीं होता लेकिन कुछ स्वार्थी तत्त्व समुदायों को लड़वाकर अपनी स्वार्थसिद्धि करना चाहते हैं।

अध्याय 6 में लेखक ने अपनी पुस्तक का सारांश प्रस्तुत किया है। साम्प्रदायिकता और जातीय तनाव की आग निजी स्वार्थों के कारण भड़कती है लेकिन समाज में शांति स्थापना के प्रयास सहरानीय रहे। लेखक के अनुसार राष्ट्रीय सन्तों का भी इन दंगों की शांति स्थापना में बहुत बड़ा योगदान रहा है। आचार्य तुलसी जिन्होंने अणुव्रत आन्दोलन एवं सर्वधर्म सम्मेलन के द्वारा सभी अलग-अलग समुदाय के व्यक्तियों को एक मंच पर इकठ्ठा कर और आपसी सौहार्द्र बनाये रखने हेतु प्रयास किया। इस पुस्तक में साम्प्रदायिक सामाजिक सौहार्द्रपूर्ण वातावरण के निर्माण की बात कही गई है। अतः पुस्तक पठनीय एवं मननीय है।

कृति : साम्प्रदायिक एवं जातीय तनाव
लेखक : डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़, प्रो. बच्छराज दूगड़
प्रकाशक : रीगल प्रकाशन, नई दिल्ली, **वर्ष** - 2016
पृ.- 244, **मूल्य** : 1080/-

Scanned by CamScanner
Scanned by CamScanner